भाग्यं भवति कर्मणा

आपका मासिक राशिफल
माह जुलाई – 2015

प्रातः कालीन ग्रह स्थिति 01 जुलाई

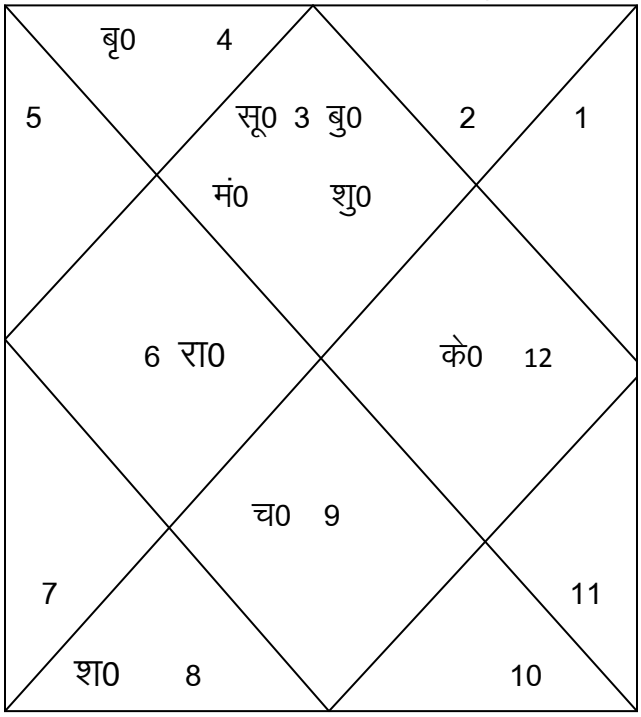

मेषः– चू, चे, चो, ला, ली, लू, लो, अ

भागदौड़ और व्यस्तता के वातावरण मे यात्राओं की सार्थकता स्वतः सिद्ध होंगी। राजनैतिक साथियों से आशानुकूल सहयोग प्राप्त करने मे सफल सिद्ध होंगे। पारिवारिक सदस्यों के कामकाजों प्रति गम्भीर रहना पारिवारिक जीवन मे बेहतर प्रतीत होगा। माह का प्रथम सप्ताह राजकीय मामलो के लिए निर्णायक सिद्ध हो सकता है। वित्तीय कार्यों

की गतिशीलता भी लगातार जारी रहेगी। घर ग्रहस्थी से जुड़े मामलो मे विध्नबाधायें आती दिखाई देंगी। कोर्ट कचेहरी से जुड़े मामलो मे आंशिक लाभ का वातावरण बन सकता है। अरिष्ट निवारण के लिये ऊँ दयासाराय नमः मन्त्र का जप करें। तारीख 3, 4, 5, 6, 7, 9, 10, 11 सुखदपूर्ण अहसास करायेंगी।

वृषः– ई, ऊ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो

माह भर वाणी मे कठोरता की भाषा शैली कुटुम्ब के सदस्यों से वैचारिक मतभेद का कारण बन सकती है। भागमभाग जिन्दगी की रफ्तार ब्रेक लगा पाना चुनौतीपूर्ण कार्य सिद्ध होगा। जीवन साथी की नकारात्मक सोच आपकी मनः स्थिति को प्रभावित करेगी। व्यवसाय मे किसी भी प्रकार का जोखिम उठाना पुष्कर कार्य होगा। खान–पान मे तीखे, कसैले पदार्थ बेहद रुचिकर प्रतीत होंगे। किसी को न बता पाने वाले रोगों के शिकार बन सकते हैं। अनायास ही आय और व्यय मे बेहतरीन सन्तुलन स्थापित होता प्रतीत होगा। माह का दूसरा सप्ताह आर्थिक दृष्टि से उत्तम है। अरिष्ट निवारण के लिये शुक्रवार को कन्याओं को सफेद पोशाक दान करें। तारीख 5, 6, 7, 8, 9, 11, 12, 13 उत्तम सूचक सिद्ध होगी।

मिथुनः– का, की, कू, के, को, हो, घ, ड़, छ

जीवन संगिनी का मिल रहा भरपूर सहयोग और सानिध्य माह को यादगार बनाने वाला सिद्ध होगा। अनायास निर्णय लेने वाली प्रवृत्तियां भी आप पर लगातार हावी रह सकती हैं। पेय पदार्थों से जुड़े हुये व्यवसाय मे प्रगति मार्ग की ओर अग्रसर रहेंगे। शनि, सूर्य, मंगल मे षडाष्टक योग कई मामलो मे विपरीत अर्थ वाले प्रतीत हो सकते हें। घर ग्रहस्थी मे समय–समय पर मीठी नोंक–झोंक के लिये भी मानसिक रुप से तैसार रहना हितकर होगा। कुटुम्ब के सदस्यों के प्रति आपका माया–मोह विस्तार रुप लेता प्रतीत होगा। आर्थिक लाभकारी कार्य योजनायें विस्तार रुप लेती स्वतः को स्पष्ट होंगी। अरिष्ट निवारण के लिये बुधवार को किसी हिजड़े को कुछ न कुछ दान करें। तारीख 1, 2, 7, 8, 9, 10, 11 उत्तम कारक प्रतीत होगी।

कर्कः– ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो

यह माह आपके लिये बेहद खर्चीला साबित होने वाला प्रतीत होगा। अपने स्वयं के मानसिक असंतोष के चलते लगातार वाद–विवाद भय की स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। माह का प्रथम सप्ताह मे शत्रुओं के साथ भी मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध स्थापित करने के प्रयास रंग लायेंगे। शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा मे किये जा रहे कार्यों से अल्प लाभ की ही उम्मीद करें। भगवान भक्ति मार्ग पर पूर्ण रुपेण आस्थावान रहेंगे। टेक्नीकल व्यवसाय से जुड़े कार्य प्रगति मार्ग पर धीरे–धीरे अग्रसर होंगे। प्रथम सप्ताह घर ग्रहस्थी की दिशा मे किये गये प्रयोग सकारात्मक दिशा की बड़ते प्रतीत होंगे। मानसिक परेशानियों से अपने आप को बचायें। अरिष्ट निवारण के लिये ऊँ दोषाकाराय नमः मन्त्र का जप करें। तारीख 3, 4, 5, 9, 11, 12, 13 शुभप्रद है।

सिंहः– मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे

उत्तमता के प्रतीत बने क्रिया–कलाप व्यय भार वृद्धि का वातावरण बनायेंगे। वाहन के प्रयोग मे विशेष सावधानी बरतना बेहतरी का अहसास करायेगा। मौसम के बदलते मिजाज के चलते संतान पक्ष शीतविकार, ज्वर आदि के शिकार बन सकते हैं। इस माह मे आपका कहीं का रुका हुआ धन प्राप्त होगा। राजनैतिक क्रिया–कलापों के जरिये विशेष सामजिक सुख्याति अर्जित कर सकते हैं। चुनौतीपूर्ण कार्य करने की मानसिकता अन्तःकरण से निकलकर बाहर आयेंगी। अपनी बोचचाल की भाषा–शैली पर सौम्यता का प्रयोग करें बेहतरीन रिजल्ट सामने आयेंगे। यात्रा–प्रकरणों से मिश्रित परिणाम प्राप्त होंगे। अरिष्ट निवारण के लिये ऊँ नारायणाय नमः मन्त्र का प्रतिदिन जप करें। तारीख 5, 6, 7, 12, 13, 15, 16 शुभसूचक सिद्ध होगी।

कन्याः– टो, पा, पी, पू, पे, पो, ष, ण, ठ

माह की शुरुवात मे भागमभाग जिन्दगी के शिकार बने रहेंगे। राजद्वारीय मामलो में आशानुरुप सफलता प्राप्त करने मे सफल सिद्ध होंगे। प्रशासनिक अधिकारियों के साथ आपके बेहतर तालमेल स्थापित रहेंगे। क्रोध करने की प्रवृत्तियों पर स्वयं नियंत्रण रखें उत्तम रहेगा। मित्रो, साथियों आदि से अपना काम निकालने की दिशा मे प्रगति पथ निर्धारित रहेंगे। ग्रहस्थ जीवन सामान्य प्रक्रिया की तरह चलता–फिरता प्रतीत होगा। भूमि क्रय–विक्रय से जुड़े मामले आपेक्षित सफलता का वातावरण निर्मित कर सकते हैं। माह का तीसरा सप्ताह

आर्थिक मामलो के लिए संजीवनी का काम करेगा। अरिष्ट निवारण के लिये गजेन्द्र मोक्ष का पाठ करें लाभान्वित रहेंगे। तारीख 7, 8, 9, 14, 15, 16, 17, 18 बेहतरी का अहसास कराने वाली प्रतीत होंगी।

तुलाः– रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, ते

आपकी धार्मिक अनास्था आस्था मे परिवर्तित होती प्रतीत होगी। कुटुम्ब के सदस्यों के कार्यों के प्रति उदासीनता परिवार मे रोष का वातावरण बनायेगी। माह के प्रथम सप्ताह मे उच्च शिक्षा से जुड़े कार्यक्रमों से लाभान्वित रहेंगे। मित्र मन्डली से आपेक्षित सहयोग मिलता प्रतीत होगा। लाभ और खर्च के मध्य का असन्तुलन मानसिक विकलता का सूचक सिद्ध हो सकता है। खर्चीली और मंहगी यात्राओं का सिलसिला जारी रहेगा। मनोरंजक संसाधन जुटाने के प्रयासों को बल प्राप्त रहेगा। ग्रहस्थ आश्रम की उठापटक मे धीरे–धीरे कमी आती प्रतीत हेागी। व्यापारिक मामालो मे आंशिक लाभ रहेगा। अरिष्ट निवारण के लिये श्वेत पुष्प बहते जल मे प्रवाहित करें। तारीख 1, 2, 7, 8, 9, 10, 11, 12 सुखदपूर्ण अहसास करायेंगी।

वृश्चिकः– तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू

शनि और मंगल तथा सूर्य के साथ बन रहा षडाष्टक योग आपको शारीरिक कष्ट देता प्रतीत होगा। माह के पहले सप्ताह मे अनायास किसी नये–पुराने चिरपरिचित मित्र से मुलाकात होगी। सहयोगी भी सहयोग करने की भूमिका मे रहेंगे। ज्यादा बोलने की प्रवृत्तियों पर नियन्त्रण रखें बेहतर रहेगा। स्वास्थ्य की शिथिलता के चलते आलस्य की स्थितियां भी लगातार बनी रहेंगी। किसी गम्भीर कार्य को करने की मानसिकता अन्तःकरण से निकलकर बाहर आयेगी। कूटनैतिक क्रिया–कलापों के रिजल्ट सकारात्मक दिशा की ओर परिवर्तित होंगे। अरिष्ट निवारण के लिये हनुमान बाहुक का नित्य पाठ करें। तारीख 3, 4, 5, 9, 10, 11, 12, 13 उन्नति मार्ग की ओर अग्रसर रहेंगी।

धनुः– ये, यो, भा, भी, भू, भे, ध, फ, ढ़

किसी नवीन व्यवसाय मे अतिरिक्त पूंजी निवेश घातक कदम सिद्ध हो सकता है। वित्तीय मामलो मे आ रही कठिनाइयों को दूर करने के प्रयासों को झटका लगता प्रतीत होगा। खान–पान व्यवस्था मे तरल पदार्थों के साथ–साथ मिष्ठान का भी प्रयोग होता

दिखाई देगा। अनायास ही राजकीय कामकाज भारी व्यस्तता तथा भागदौड़ का वातावरण निर्मित करेंगे। शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा मे हो रहे प्रयास सकारात्मक मार्ग की ओर अग्रसर होंगे। हास–परिहास के बनते माहौल मे कठोर भाषा–शैली का प्रयोग न करें बेहतर रहेगा। कोर्ट कचेहरी से जुड़े कामों मे उन्नति होगी। अरिष्ट निवारण के लिये ऊँ जीवाय नमः मन्त्र का प्रतिदिन जप करें। तारीख 1, 2, 5, 6, 7, 11, 12, 13 प्रगतिकारक सिद्ध होंगी।

मकरः– भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी

माह की शुरुवात आपके लिये बेहद खर्चीली तथा तकलीफदेय साबित होने वाली प्रतीत होगी। दूसरे सप्ताह मे अनायास ही किसी पुराने मित्र से मुलाकात का हर्ष रहेगा। उच्च शिक्षा से जुड़े मामले सरलता के साथ सम्पन्न होंगे। विरोधियों पर आपकी कूटनैतिक मुहिम असरकारक रोल अदा कर सकती है। पेट सम्बन्धी रोग शारीरिक कष्ट का वातावरण बनायेंगे। हास–परिहास की स्थितियां मन को प्रसन्न करने वाली प्रतीत होंगी। माह के तीसरे सप्ताह मे व्यवसायिक हितों से जुड़े मसलों का समाधान होता प्रतीत होगा। राजद्वारीय मामलो मे आपेक्षित सफलता के सुखद संयोग बनेंगे।

कुम्भः– गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, द

माह का प्रथम सप्ताह किसी गीत, संगीत, भजन संध्या मे आपकी उपस्थिति का वातावरण बनाने वाला प्रतीत होगा। अनायास ही धन के जाने का उपक्रम भी बनता प्रतीत हो सकता है। संतान पक्ष की ओर से कोई सुखद समाचार प्राप्त होगा। पठन–पाठन कार्यक्रमों को विस्तार रुप देने के प्रयास सकारात्मक दिशा की ओर अग्रसर रहेंगे। भागमभाग जिन्दगी की रफ्तार कम होने की स्थितियों मे लगातार बड़ोत्तरी का वातावरण बनेगा। माह के तीसरे सप्ताह मे घर ग्रहस्थी से जुड़े कामकाज सरलता के साथ सम्पन्न होंगे। व्यवसायिक कार्य योजनाओं को नवीन दिशा देने के प्रयासों से लाभान्वित रहेंगे। अरिष्ट निवारण के लिये ऊँ वैराग्यदाय नमः मन्त्र का प्रतिदिन जप करें। तारीख 5, 6, 7, 9, 10, 11, 16, 17, 18 शुभकारक है।

मीनः– दी, दू, दे, दो, थ, झ, अ, चा, ची

माह की शुरुवात आपके लिये शासन–प्रशासन से जुड़े मसलों के लिये संजीवनी का काम करेंगी। आर्थिक मामलो को भी गतिशीलता मिलती प्रतीत हो सकती है। संगीत, गीत आदि का बनता वातावरण मन को पूर्णतः प्रसन्नचित रखेगा। रक्चचाप के चलते क्रोध की अधिकता सर्व समाज को प्रभावित करेगी। इस माह मे एकत्रित हो रहे यात्रा प्रकरण मिश्रित परिणाम की ओर अग्रसर रहेंगे। सच और झूठ की कसौटी पर सत्य पक्ष के ही मानसिक रुप से पक्षधर रहेंगे। ग्रहस्थ जीवन कठिनाइयों से घिश्रता प्रतीत होगा। भोजन व्यवस्था मे सादगीपूर्ण भोजन ही मन को प्रसन्न करेगा। अरिष्ट निवारण के लिये ऊँ गुणिने नमः मन्त्र का प्रतिदिन जप करें। तारीख 1, 2, 3, 4, 5, 7, 8, 9 सुखदपूर्ण अहसास कराने वाली प्रतीत होंगी।

माह के प्रमुख व्रत और त्यौहारः–

1- व्रत की पूर्णिमा, 01 जुलाई, बुधवार।
2- स्नान दान की पूर्णिमा, 02 जुलाई, बृहस्पतिवार।
3- संकष्ठी गणेश चतुर्थी व्रतम्, 05 जुलाई, रविवार।
4- पुरुषोत्तमी एकादशी व्रतम् सर्वेषाम, 12 जुलाई, रविवार।
5- सोम प्रदोष त्रयोदशी व्रतम्, 13 जुलाई, सोमवार।
6- श्राद्ध की अमावस्या, 15 जुलाई, बुधवार।
7- स्नान दान की अमावस्या, 16 जुलाई, बृहस्पतिवार।
8- पूर्वादर्शन द्वितीया, मु0 पर्व इदुलफितर (ईद), 18 जुलाई, शनिवार।
9- श्री वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रतम्, 20 जुलाई, सोमवार।
10- कुमार षष्ठी, कर्दम षष्ठी (बंगाल), 23 जुलाई, बृहस्पतिवार।
11- विवस्वत पूजा सप्तमी, मनसापूजा प्रारम्भ (बंगाल), 23 जुलाई, बृहस्पतिवार।
12- महिषध्नी अष्टमीव्रतम्, श्री परशुरामाष्टमी, उड़ीसा, खर्ची पूजा (त्रिपुरा), 24 जुलाई, शुक्रवार।
13- मन्वादि दसमी, गिरिजा पूजा दसमी, आशा दसमी, सोमपदा दसमी, 26 जुलाई, रविवार।
14- हरिशयनी एकादशी व्रतम् सर्वेषाम्, रत्रिश्री विष्णु शयनोत्सव, 27 जुलाई, सोमवार।

15- श्री कृष्ण द्वादशी, वामन पूजा, शाक व्रतारम्भः, चातुर्मास व्रतयम, नियमारम्भः, 28 जुलाई, मंगलवार।

16- प्रदोष त्रयोदशी व्रतम्, 29 जुलाई, बुधवार।

17- व्रत की पूर्णिमा, कोकिला व्रत पूर्णिमा, श्री शिवशयन चतुर्दशी (उड़ीसा), 30 जुलाई, बृहस्पतिवार।

18- स्नान दान की पूर्णिमा, गुरुपूर्णिमा, व्यास पूजा, 31 जुलाई, शुक्रवार।

पंडित आनंद अवस्थी

पं0 आनन्द अवस्थी : पटेल नगर कालोनी बछरावां
रायबरेली
डी–79, साउथ सिटी, लखनऊ एम0बी0 नं0– 9450460208
----E-mail : pt.anand.awasthi@gmail.com